Dainik Bhaskar (Indore), 19th May 2023, Page-02

केस स्टडी | IIT की कॉम्पीटिशन में 18 कंपनियों के 100 से ज्यादा प्रोफेशनल हुए शामिल

डेवलपमेंट में गति देने इंडस्ट्रीज, स्टार्टअप और रिसर्च एक्सपर्ट मिलकर करें काम

सिटी रिपोर्टर. इंदौर

जब तक इंडस्ट्रीज, स्टार्टअप और रिसर्च एक्सपर्ट के बीच की दूरी को खत्म नहीं किया जाएगा तब तक डेवलपमेंट की रफ्तार को नहीं बढ़ाया जा सकता। इन सभी क्षेत्रों को मिलकर उत्पादों को बेहतर करने के लिए काम करना होगा। आईआईटी इंदौर इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और इसके सकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिल रहे हैं।

यह कहना है आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर और दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के परियोजना निदेशक भूपेश कुमार लाड का। गुरुवार को आईआईटी में द नेशनल मैन्युफैक्चरिंग केस स्टडी कॉम्पीटिशन हुई। इसमें दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन, आदित्य बिड़ला समूह, प्रो एमएफजी ने मिलकर किया। रीइनवेंटिंग द फ्यूचर- सेलिब्रेटिंग मैन्युफेक्चरिंग विषय पर विशेषज्ञों ने वर्तमान समय में इंडस्ट्रीज में हो रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी शेयर की।

गुणवत्ता, इनोवेशन और सिक्योरिटी जैसे विषय थे शामिल

कार्यक्रम का मकसद स्टार्टअप, इंडस्ट्रीज और रिसर्च एक्सपर्ट के बीच नॉलेज का आदान-प्रदान करना था। इसमें कई स्टार्टअप और इंडस्ट्रीज के ऑफिसर्स ने केस स्टडी के माध्यम से बताया कि किस तरह से उद्योगों को गति मिल रही है। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश, दिल्ली और तमिलनाडु की 18 अग्रणी निर्माण क्षेत्र की कंपनियों के 100 से ज्यादा प्रोफेशनल शामिल हुए। केस स्टडी में जिन पैमानों को विशेषज्ञों ने साझा किया, उसका विभिन्न श्रेणियों में मूल्यांकन भी किया गया। इसमें लागत, गुणवत्ता, प्रौद्योगिकी इनोवेशन, सिक्यूरिटी और अन्य विषय शामिल थे।

पैनल में शामिल समीर नायक, प्रो. सत्यजीत चटर्जी, उपेंद्र एम एओले और अन्य सदस्यों ने केस स्टडी का आकलन किया। आईआईटी-आई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के सीईओ आदित्य एसजी व्यास ने बताया कि फाउंडेशन के तहत इंदौर, पीथमपुर, देवास और देश के अन्य राज्यों के इंडस्ट्रीज और स्टार्टअप को साथ में जोड़ा जा रहा है और देश के विकास में और क्या बेहतर हो सकता है इसके लिए नॉलेज शेयर किया जा रहा है। आईआईटी इंदौर के पास विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ मौजूद होने से सभी को इसका फायदा भी मिल रहा है।